

प्रेषक,

डा० उमाकान्त पवार
सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

परिवहन आयुक्त
उत्तराखण्ड, सहस्त्रधारा रोड़
देहरादून।

परिवहन एवं नागरिक उड्डयन अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक ५ मार्च, 2013

विषय- परिवहन सेवाओं में नवीनतम तकनीकी का उपयोग करने हेतु परिवहन निगम को आर्थिक सहायता के रूप में 50 प्रतिशत राज्यांश अवमुक्त करने की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 2044/संचालन/स्था-तकनीकी/2011 दिनांक 26 दिसम्बर, 2012 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र संख्या RT-21012/5/2007-T दिनांक 17 मार्च, 2010 द्वारा Scheme for Central assistance for strengthening Public Transport System के नाम से एक जारी योजना जिसका उद्देश्य परिवहन सेवाओं में नवीनतम तकनीकी का उपयोग करने हेतु राज्य परिवहन निगमों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराया जाना है, के अन्तर्गत केन्द्रीय अंशदान के रूप में परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने पत्र संख्या 17014/1/2011-T दिनांक 23 मार्च, 2012 एवं पत्र संख्या RT- 17014/1/2011-T दिनांक 04 अप्रैल, 2012 द्वारा क्रमशः ₹ 75,00,000.00 (रुपये पचहत्तर लाख) एवं ₹ 1,15,50,000.00 (रुपये एक करोड़ पन्द्रह लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि अवमुक्त किये जाने के फलस्वरूप 50 प्रतिशत शेष धनराशि रु० 1,90,00,000.00 (रुपये एक करोड़ नब्बे लाख मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों के साथ स्वीकृत कर व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- (ii) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग दिनांक 31-3-2013 तक सुनिश्चित कर लिया जाय।
- (iii) आहरित धनराशि उसी प्रयोजन के लिए व्यय की जायेगी जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। उक्त धनराशि का किसी अन्य मद में व्यय नहीं किया जायेगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि में से यदि कोई अंश अवशेष बचता है तो उसे शासन को वापस करना होगा। यदि धनराशि का उपयोग स्वीकृति के प्रयोजन के अलावा किसी अन्य प्रयोजन के किया जाता है तब उक्त धनराशि को तत्काल उस समय के ब्याज सहित एकमुश्त शासन को वापस कर दिया जायेगा।

क्रमशः...2...

2. उक्त धनराशि कोषागार से चैक के माध्यम से तत्काल प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम देहरादून को उपलब्ध करा दी जाय।
3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 24 लेखा शीर्षक 3055-सड़क परिवहन-190-सार्वजनिक क्षेत्र तथा अन्य उपक्रमों को सहायता-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित-101-पब्लिक ट्रान्सपोर्ट सिस्टम-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।
4. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 861/XXVII(2)/2013 दिनांक 28 जनवरी, 2013 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय


(डा० उमाकान्त पंवार)
सचिव।

संख्या 31 /2012/156/IX/2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ए० एण्ड ई० ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
- 2- महालेखाकार, आडिट, वैभव पैलेस-ब-1/105 इन्द्रानगर, देहरादून।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी देहरादून।
- 4- प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम, देहरादून।
- 5- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 6- आहरण वितरण अधिकारी, परिवहन आयुक्त कार्यालय, देहरादून।
- 7- वित्त नियंत्रक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम मुख्यालय देहरादून।
- 8- बजट राजकोषीय संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 10- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 11- गार्ड फाईल।

आज्ञा से


(नवीन सिंह तड़ागी)
उप सचिव।